भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व

(25thMarch,-2023)

REPORT ON EXTENSION LECTURE

EXTENSION LECTURE BY

PROF. RAVI PRKASH GUPTA

PROFESSOR

PT. DDU GOVT WOMEN'S PG COLLEGE

SEWAPURI, VARANASI(UP)

ORGANIZED

By

FACULTY OF EDUCATION

&

DEPARTMENT OF HISTORY

FACULTY OF HUMANITIES

& SOCIAL SCIENCES

INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION

(DEEMED TO BE UNIVERSITY)

SARDARSHAHR, CHURU, RAJASTHAN - 331403

IASE
(deemed to be university)

INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION

(DEEMED TO BE UNIVERSITY) OF GANDHI VIDYA MANDIR,

SARDARSHAHR, CHURU, RAJASTHAN

EXTENSION LECTURE

भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व

PROF. RAVI PRKASH GUPTA

PROFESSOR

PT. DDU GOVT WOMEN'S PG COLLEGE

SEWAPURI, VARANASI(UP)

Faculty of Education & Department of History

DATE: 25.03.2023 TIME: 01:00 PM

शिक्षा संकाय, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर ,सरदारशहर

एवं

इतिहास विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय,उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर ,सरदारशहर

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

" भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व"

विषय पर प्रसार वार्ता

मुख्य वार्ताकार

प्रो. रवि प्रकाश गुप्ता

पंडित दीनदयाल राजकीय महिला पीजी महाविद्यालय, सेवापुरी ,वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

दिनांक: 25 मार्च, 2023 ***समय: अपराह्न :1:00 बजे***

प्रसार वार्ता का प्रतिवेदन

विहंगावलोकन

शिक्षा संकाय, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर ,सरदारशहर *एवं* इतिहास विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय,उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर ,सरदारशहर *के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रसार वार्ता " भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व'विषय पर दिनांक 25 मार्च 2023 को अपराह्न :1:00 बजे शिक्षा संकाय के प्रशाल में आयोजन किया गया। इस प्रसार वार्ता में 131 प्रतिभागियों ने भाग लिया । प्रसार वार्ता के माध्यम से विषय विशेषज्ञ ने विषय वस्तु पर गहन चर्चा की । शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ पी.के. पांडिया ने विषय विशेषज्ञ प्रो. रविप्रकाश गुप्ता का परिचय एवं स्वागत संभाषण प्रस्तुत किया। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अविनाश पारीक ने विषय की प्रस्तावना रखी। शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो.आर.के. शर्मा ने प्रो. रविप्रकाश गुप्ता एवं प्रतिभागियों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।*

प्रसार वार्ता का विस्तृत विवरण

भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व विषय पर मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी, वाराणसी के प्रो. रविप्रकाश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान का इतिहास विश्व के गौरव का इतिहास है। यह सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा धर्म ग्रंथ है। इसकी मजबूती से ही हम श्रेष्ठ भारत की ओर अग्रसर है। वर्ष 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने से पहले, भारत मूल रूप से समाज

के दो मुख्य वर्गों में विभाजित था, अर्थात् ब्रिटिश भारत (जिसमें 11 प्रांत (प्रोविंस) शामिल थे) और सहायक गठबंधन प्रणाली (सब्सिडियरी अलायन्स सिस्टम) के अनुसार भारतीय राजकुमारों द्वारा शासित रियासतें। बाद में दोनों वर्गों को एक साथ मिलाकर भारतीय संघ बनाया गया, लेकिन ब्रिटिश भारत के कई नियमों और विनियमों (रेगुलेशन) का अभी भी पालन किया जा रहा है। भारतीय संविधान के ऐतिहासिक विकास का पता भारत के स्वतंत्रता प्राप्त करने से पहले पारित कई नियमों और अधिनियमों से लगाया जा सकता है। यह कई घटनाओं की एक श्रृंखला थी, जिसके परिणामस्वरूप भारत के संविधान का विकास हुआ, जो दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। भारत संस्कृति, लोगों और इसके भूभाग (टेरेन) के मामले में एक विविध देश रहा है। इसलिए संविधान निर्माताओं के लिए एक सर्वोच्च नियम पुस्तिका बनाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसके अनुसार इस समृद्ध विविधतापूर्ण राष्ट्र पर प्रभावी ढंग से शासन किया जा सके।

भारतीय संविधान को आकार देने वाले विभिन्न अधिनियमों, विनियमों और घोषणाओं का उल्लेख किया गया है। संविधान को बनाने में एक करोड़ रुपए खर्च हुए और प्रारूप समिति ने संविधान को अपने हाथों से लिखा था फिर कैलीग्राफी की गई थी। उस समय संविधान की कोई प्रिंटिंग ,टाइपिंग वगैरह नहीं की गयी था। आज यह हमारे देश की आत्मा है और हमारे जीने का आधार है। प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विषय विशेषज्ञ प्रो. रविप्रकाश गुप्ता से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाएं शांत की तथा प्रतिपुष्टि जाहिर की। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनीषा वर्मा थी। कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. पी.के. पांडिया ने किया। आयोजन संचालन में डॉ. कैलाश पारीक ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

SOME GLIMPSES OF EXTENSION LECTURE (25th MARCH, 2023)

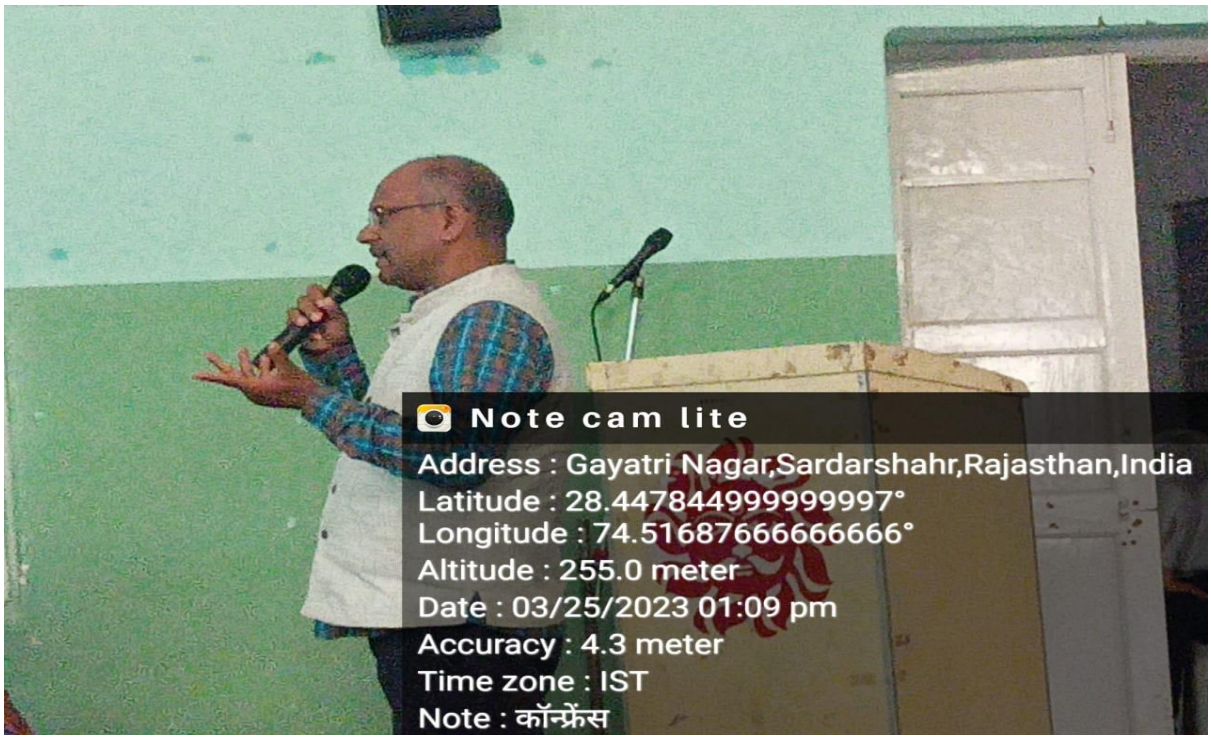

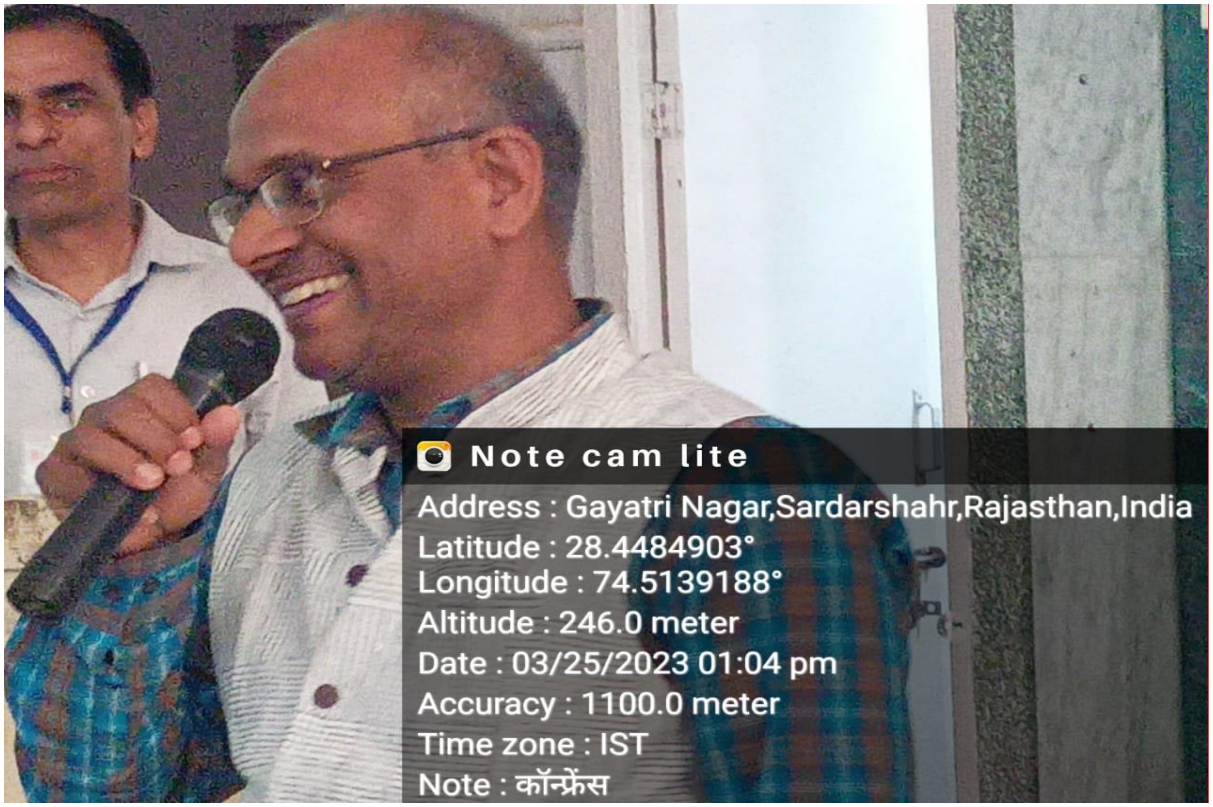
Note cam lite
Address : Gayatri Nagar,Sardarshahr,Rajasthan,India
Latitude : 28.4484903°
Longitude : 74.5139188°
Altitude : 246.0 meter
Date : 03/25/2023 01:04 pm
Accuracy : 1100.0 meter
Time zone : IST
Note : कॉन्फ्रेंस

EXTENSION
FIVE DIMENSIONS

NEWS PAPER CUTTINGS

मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू दैनिक
एक अखबार सारा संसार
युगपक्ष
27-03-2023

आईएएसई मानित विवि में विद्वानों ने प्रसार वार्ताओं के अंतर्गत अपने विचारों से किया लाभान्वित

सादुलपुर (मदनमोहन आचार्य)। उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर के शिक्षा संकाय प्रशाल में शिक्षा संकाय एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रसार वार्ताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बी. एड .के प्रभारी डॉ. पी.के. पांडिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए परिचय दिया। प्रथम सत्र में भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व विषय पर मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी, वाराणसी के प्रो. रविप्रकाश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान का इतिहास विश्व के गौरव का इतिहास है। यह सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा धर्म ग्रंथ है। इसकी मजबूती से ही हम श्रेष्ठ भारत की ओर अग्रसर है। संविधान को बनाने में एक करोड़ रुपए खर्च हुए और प्रारूप समिति ने संविधान को अपने हाथों से लिखा था फिर कैलीग्राफी की गई थी। उस समय संविधान की कोई प्रिंटिंग, टाइपिंग वगैरह नहीं की गयी था। आज यह हमारे देश की आत्मा है और हमारे जीने का आधार है। द्वितीय सत्र में शिक्षा में क्रांति-शिक्षा के पांच आयाम विषय पर मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी की सह आचार्य डॉ.गीता रानी शर्मा ने शिक्षा में क्रांति के लिए शिक्षा के पांच आयामों पर चर्चा की। उसके अंतर्गत उन्होंने बताया कि आज की शिक्षा में सूचना परक शिक्षा, वैज्ञानिक जिज्ञासा, जीने की कला, रचनात्मक एवं कौशल विकास, मृत्यु की कला प्रमुख है। प्रत्येक शिक्षक की यह जिम्मेदारी है कि इन आयामों को विद्यार्थियों पर लागू करना चाहिए तभी हम अच्छे शिक्षक बन पाएंगे। प्रत्येक नकारात्मक बातों से भी हम सीखें और सकारात्मक जीवन जीना चाहिए। अंत में शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की। शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो.आर.के. शर्मा, शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनीषा वर्मा, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश पारीक ने अतिथियों का शॉल, श्रीफल व दुपट्टा से सम्मान किया। अंत में अधिष्ठाता प्रोफेसर आरके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ कैलाश पारीक डॉ. पूराराम, डॉ. रंजीता बैद, डॉ. उमा सैनी, डॉ.अल्पना शर्मा, डॉ रामावतार गोदारा, डॉ.विकास सैनी, डॉ महेश शर्मा, डॉ.अमित सिंह, जितेंद्र सैनी, चंद्रशेखर भारती आदि शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक
मृदुल पत्रिका
27-03-2023
स्वतंत्र पत्रकार मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू

भारतीय संविधान का इतिहास गौरवपूर्ण है और इसकी मजबूती से ही हम श्रेष्ठ भारत की ओर आज अग्रसर हैं: प्रो. रवि प्रकाश गुप्ता

सादुलपुर मृदुल पत्रिका। उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान(मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर के शिक्षा संकाय प्रशाल में शिक्षा संकाय एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रसार वार्ताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बी. एड .के प्रभारी डॉ. पी.के. पांडिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए परिचय दिया। प्रथम सत्र में भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व विषय पर मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महा विद्यालय सेवापुरी, वाराणसी के प्रो. रविप्रकाश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान का इतिहास विश्व के गौरव का इतिहास है। यह सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा धर्म ग्रंथ है। इसकी मजबूती से ही हम श्रेष्ठ भारत की ओर अग्रसर है।संविधान को बनाने में एक करोड़ रुपए खर्च हुए और प्रारूप समिति ने संविधान को अपने हाथों से लिखा था फिर कैलीग्राफी की गई थी। उस समय संविधान की कोई प्रिंटिंग, टाइपिंग वगैरह नहीं की गयी था। आज यह हमारे देश की आत्मा है और हमारे जीने का आधार है। द्वितीय सत्र में शिक्षा में क्रांतिशिक्षा के पांच आयाम विषय पर मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी की सह आचार्य डॉ गीता रानी शर्मा ने शिक्षा में क्रांति के लिए शिक्षा के पांच आयामों पर चर्चा की उसके अंतर्गत उन्होंने बताया कि आज की शिक्षा में सूचना परक शिक्षा, वैज्ञानिक जिज्ञासा, जीने की कला, रचनात्मक एवं कौशल विकास, मृत्यु की कला प्रमुख है। प्रत्येक शिक्षक की यह जिम्मेदारी है कि इन आयामों को विद्यार्थियों पर लागू करना चाहिए तभी हम अच्छे शिक्षक बन पाएंगे। प्रत्येक नकारात्मक बातों से भी हम सीखें और सकारात्मक जीवन जीना चाहिए। अंत में शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की। शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो.आर.के. शर्मा, शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनीषा वर्मा, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश पारीक ने अतिथियों का शॉल, श्रीफल व दुपट्टा से सम्मान किया।

अंत में अधिष्ठाता प्रोफेसर आरके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ कैलाश पारीक डॉ. पूराराम, डॉ. रंजीता बैद, डॉ. उमा सैनी, डॉ. अल्पना शर्मा, डॉ रामावतार गोदारा, डॉ. विकास सैनी, डॉ महेश शर्मा, डॉ अमित सिंह, जितेंद्र सैनी, चंद्रशेखर भारती आदि शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक जलतेदीप
27-03-2023
मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू

आईएएसई मानित विश्वविद्यालय में विद्वानों ने अपने विचारों से किया लाभान्वित

■ जलतेदीप, निसं., सादुलपुर

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान(मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर के शिक्षा संकाय प्रशाल में शिक्षा संकाय एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रसार वार्ताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बी. एड .के प्रभारी डॉ. पी.के. पांडिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए परिचय दिया। प्रथम सत्र में भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व विषय पर मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी, वाराणसी के प्रो. रविप्रकाश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान का इतिहास विश्व के गौरव का इतिहास है। यह सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा धर्म ग्रंथ है। इसकी मजबूती से ही हम श्रेष्ठ भारत की ओर अग्रसर है।संविधान को बनाने में एक करोड़ रुपए खर्च हुए और प्रारूप समिति ने संविधान को अपने हाथों से लिखा था फिर कैलीग्राफी की गई थी। उस समय संविधान की कोई प्रिंटिंग, टाइपिंग वगैरह नहीं की गयी था।

दैनिक वर्णमाला
27-03-2023
मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू

भारतीय संविधान का इतिहास गौरवपूर्ण है और इसकी मजबूती से ही हम श्रेष्ठ भारत की ओर आज अग्रसर है–प्रो. रवि प्रकाश गुप्ता

दैनिक वर्णमाला न्यूज

सादुलपुर (मदनमोहन आचार्य) उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान(मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर के शिक्षा संकाय प्रशाल में शिक्षा संकाय एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रसार वार्ताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बी. एड .के प्रभारी डॉ. पी.के. पांडिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए परिचय दिया। प्रथम सत्र में भारतीय संविधान का इतिहास एवं उसका महत्व विषय पर मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी, वाराणसी के प्रो. रविप्रकाश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान का इतिहास विश्व के गौरव का इतिहास है। यह सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा धर्म ग्रंथ है। इसकी मजबूती से ही हम श्रेष्ठ भारत की ओर अग्रसर है।संविधान को बनाने में एक करोड़ रुपए खर्च हुए और प्रारूप समिति ने संविधान को अपने हाथों से लिखा था फिर कैलीग्राफी की गई थी। उस समय संविधान की कोई प्रिंटिंग, टाइपिंग वगैरह नहीं की गयी था। आज यह हमारे देश की आत्मा है और हमारे जीने का आधार है। द्वितीय सत्र में शिक्षा में क्रांतिशिक्षा के पांच आयाम विषय पर मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी की सह आचार्य डॉ गीता रानी शर्मा ने शिक्षा में क्रांति के लिए शिक्षा के पांच आयामों पर चर्चा की उसके अंतर्गत उन्होंने बताया कि आज की शिक्षा में सूचना परक शिक्षा, वैज्ञानिक जिज्ञासा, जीने की कला, रचनात्मक एवं कौशल विकास, मृत्यु की कला प्रमुख है। प्रत्येक शिक्षक की यह जिम्मेदारी है कि इन आयामों को विद्यार्थियों पर लागू करना चाहिए तभी हम अच्छे शिक्षक बन पाएंगे। प्रत्येक नकारात्मक बातों से भी हम सीखें और सकारात्मक जीवन जीना चाहिए। अंत में शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की। शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो.आर.के. शर्मा, शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनीषा वर्मा, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश पारीक ने अतिथियों का शॉल, श्रीफल व दुपट्टा से सम्मान किया। अंत में अधिष्ठाता प्रोफेसर आरके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ कैलाश पारीक डॉ. पूराराम, डॉ. रंजीता बैद, डॉ. उमा सैनी, डॉ. अल्पना शर्मा, डॉ रामावतार गोदारा, डॉ. विकास सैनी, डॉ महेश शर्मा, डॉ अमित सिंह, जितेंद्र सैनी, चंद्रशेखर भारती आदि शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।